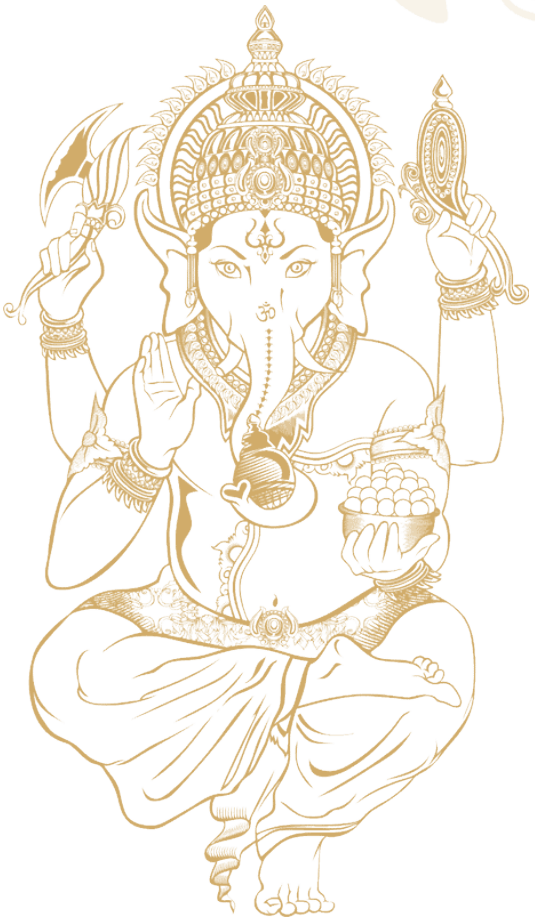

18 Nov 1999

08:22 PM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121327604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/11/1999**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:22:00 घंटे**
इष्ट	33:54:05 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:55:20 घंटे
वेलान्तर	00:14:58 घंटे
साम्पातिक काल	23:44:10 घंटे
सूर्योदय	06:48:22 घंटे
सूर्यास्त	17:35:04 घंटे
दिनमान	10:46:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:57:47 वृश्चिक
लग्न के अंश	14:02:24 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:02:24	321:23:46	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	01:57:47	01:00:30	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	28:44:01	13:27:39	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मक	00:18:18	00:45:33	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	उच्च राशि
बुध	व	अ	तुला	25:46:58	01:09:54	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	02:52:25	00:06:06	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	16:27:42	01:06:17	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि	व		मेष	18:53:18	00:04:39	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	12:47:22	00:04:07	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	12:47:22	00:04:07	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:18:23	00:01:20	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:05:15	00:01:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	15:56:06	00:02:17	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मीन	01:49:50	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:04

लग्न-चलित

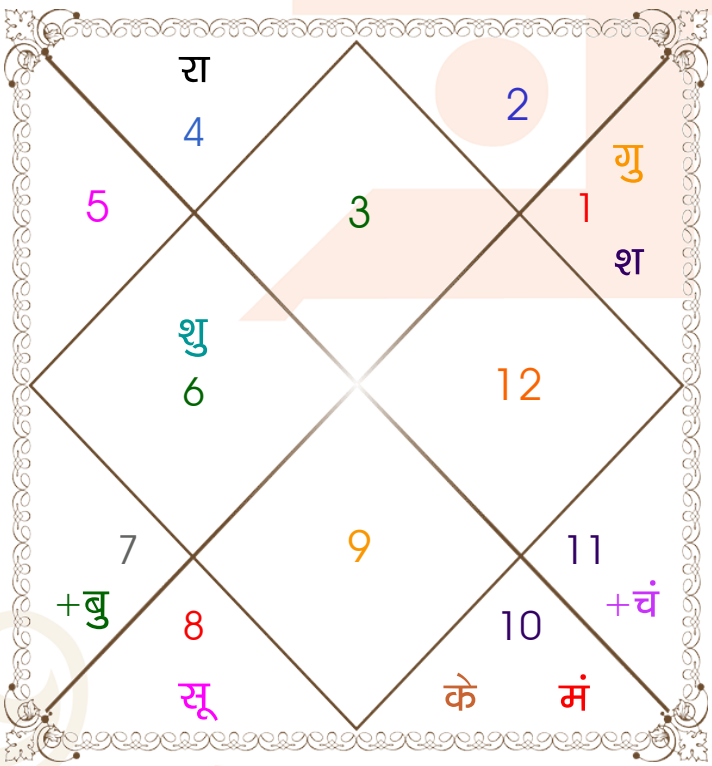

चन्द्र कुंडली

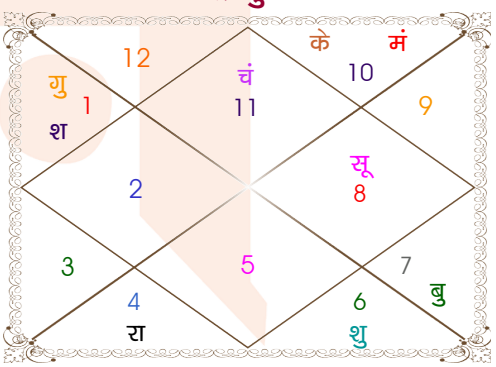

नवमांश कुंडली

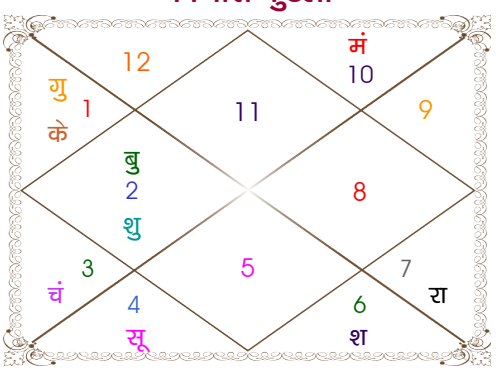

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 6 मास 7 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/11/1999		26/05/2005		26/05/2024		26/05/2041		26/05/2048	
26/05/2005		26/05/2024		26/05/2041		26/05/2048		26/05/2068	
	00/00/0000	शनि	29/05/2008	बुध	23/10/2026	केतु	23/10/2041	शुक्र	26/09/2051
	00/00/0000	बुध	06/02/2011	केतु	20/10/2027	शुक्र	23/12/2042	सूर्य	25/09/2052
	00/00/0000	केतु	17/03/2012	शुक्र	20/08/2030	सूर्य	29/04/2043	चंद्र	27/05/2054
	18/11/1999	शुक्र	18/05/2015	सूर्य	26/06/2031	चंद्र	29/11/2043	मंगल	27/07/2055
शुक्र	08/12/1999	सूर्य	29/04/2016	चंद्र	25/11/2032	मंगल	26/04/2044	राहु	26/07/2058
सूर्य	25/09/2000	चंद्र	28/11/2017	मंगल	22/11/2033	राहु	14/05/2045	गुरु	26/03/2061
चंद्र	25/01/2002	मंगल	07/01/2019	राहु	10/06/2036	गुरु	20/04/2046	शनि	26/05/2064
मंगल	01/01/2003	राहु	13/11/2021	गुरु	16/09/2038	शनि	30/05/2047	बुध	27/03/2067
राहु	26/05/2005	गुरु	26/05/2024	शनि	26/05/2041	बुध	26/05/2048	केतु	26/05/2068

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/05/2068		27/05/2074		26/05/2084		27/05/2091		27/05/2109	
27/05/2074		26/05/2084		27/05/2091		27/05/2109		00/00/0000	
सूर्य	13/09/2068	चंद्र	27/03/2075	मंगल	22/10/2084	राहु	06/02/2094	गुरु	16/07/2111
चंद्र	14/03/2069	मंगल	26/10/2075	राहु	10/11/2085	गुरु	02/07/2096	शनि	26/01/2114
मंगल	20/07/2069	राहु	26/04/2077	गुरु	17/10/2086	शनि	09/05/2099	बुध	03/05/2116
राहु	14/06/2070	गुरु	26/08/2078	शनि	25/11/2087	बुध	26/11/2101	केतु	09/04/2117
गुरु	02/04/2071	शनि	26/03/2080	बुध	22/11/2088	केतु	15/12/2102	शुक्र	19/11/2119
शनि	14/03/2072	बुध	26/08/2081	केतु	20/04/2089	शुक्र	14/12/2105		00/00/0000
बुध	19/01/2073	केतु	27/03/2082	शुक्र	20/06/2090	सूर्य	08/11/2106		00/00/0000
केतु	26/05/2073	शुक्र	25/11/2083	सूर्य	26/10/2090	चंद्र	09/05/2108		00/00/0000
शुक्र	27/05/2074	सूर्य	26/05/2084	चंद्र	27/05/2091	मंगल	27/05/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 5 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।